आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 2/अंक 1/मार्च 2022
Received:03/02/2022; Published:24/03/2022

ऐ माटी

डॉ.संगीता श्रीवास्तव 'सहर'
फोन: 8887942025

सोधीं सी सुगंध तेरी
खींच लाती है
मुझे सात समंदर पार से
तू मेरे हर सांस में है बसती
कई जनमो का रास्ता है
तेरा-मेरा
मेरा-तेरा ।।
मैं नहीं रह पाता बिन तेरे
पर विवशता है मेरी
कैसे बिन भोजन जिया जाए
कैसे कहूँ मैं मौन व्यथा
शब्द निशब्द हैं मेरे
पर वादा है मेरा
जब भी
तू पुकारेगी मुझे
मैं भूख,प्यास तज के
तेरे पास आ जाऊंगा। ।
****